कैबनिट ने रेलवे परयिोजनाओं को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में आर्थकि मामलों की मंत्रमिंडलीय समति ने रेल मंत्रालय की तीन परयिोजनाओं को मंज़ूरी दी है, जनिकी कुल लागत लगभग 7,927 करोड़ रुपए है।

- परयिोजनाओं में **जलगाँव-मनमाड चौथी लाइन (160 कमिी.), भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 कमिी.) और प्रयागराज (इरादतगंज)-मानकिपुर तीसरी लाइन (84 कमिी.) शामलि हैं।**

मुख्य बदिु

- प्रस्तावति बहु-ट्रैकगि परयिोजनाओं का **उद्देश्य रेलवे परचिालन को आसान बनाना और भीड़भाड़ को कम करना है** तथा उच्च यातायात वाले मुंबई-प्रयागराज मार्ग पर महत्त्वपूर्ण बुनयिादी ढाँचे की आवश्कताओं को पूर्ण करना है।
- **परयिोजना कवरेज और नेटवर्क वस्तिार:**
  - ये परयिोजनाएँ **महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सात ज़लिों में वस्तिृत हैं,** जसिसे भारतीय रेलवे नेटवर्क का लगभग 639 कलिोमीटर तक वस्तिार होगा।
  - दो आकांक्षी ज़लिों, खंडवा और चत्रिकूट में कनेक्टविटिी बढ़ाई जाएगी **, जसिसे 1,319 गाँवों और लगभग 38 लाख की जनसंख्या को लाभ मलिेगा।**
  - ये मार्ग **कृषि उत्पादों, उर्वरकों, कोयला, इस्पात, सीमेंट और कंटेनरों के परविहन के लयि महत्त्वपूर्ण हैं।**
  - मुंबई-प्रयागराज-वाराणसी मार्ग पर बेहतर कनेक्टविटिी से अतरिक्ति यात्री ट्रेनों की सुवधिा मलिेगी, जसिसे **नासकि (त्र्यंबकेश्वर), खंडवा (ओंकारेश्वर), वाराणसी (काशी वशि्वनाथ), प्रयागराज, चत्रिकूट, गया और शरिडी** जैसे **प्रमुख धार्मकि स्थलों पर जाने वाले तीर्थयात्रयिों को लाभ होगा।**
- **पर्यटन संवर्द्धन:**
  - ये **परयिोजनाएँ खजुराहो, अजंता और एलोरा गुफाओं, देवगरिी कलिा, असीरगढ़ कलिा, रीवा कलिा, यावल वन्यजीव अभयारण्य, केओटी फॉल्स और पुरवा फॉल्स** सहति प्रमुख आकर्षणों तक पहुँच बढ़ाकर पर्यटन को बढ़ावा देंगी।

यावल वन्यजीव अभयारण्य

- **स्थान:**
  - **यह महाराष्ट्र के जलगाँव ज़लि में अन्नेर और मंजर नदयिों के तट** पर और मध्य प्रदेश की सीमा के पास स्थति है।
- **आकार:**
  - इसका **क्षेत्रफल लगभग 176 वर्ग कलिोमीटर है।**
- **संरक्षण स्थति:**
  - इसे **वर्ष 1969 में आधकिारकि तौर पर संरक्षति क्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई।**
- **वन्यजीव:**
  - यह वभिन्नि प्रकार के वन्यजीवों का घर है, जनिमें **सांभर, तेंदुए, जंगली सूअर, हरिण, साही और साँप शामलि हैं।**
- **वनस्पति:**
  - इसमें **ऐन, बांस, धावड़ा, लेंडयिा, तविसा, सलाई, सागौन, स्टरकुलयिा और कुसुम शामलि हैं।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cabinet-approves-railway-projects